दीप ज्योति

हिंदी व्याकरण

अशोक लव
एम.ए., बी. एड,
(लेखक एवं शिक्षाविद्)
पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क
नई दिल्ली - 110010

8

Evershine ESP Publishers
Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi - 110046
Phones : 28111758, 28113958, Fax : 28112353

प्रकाशक :

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

नांगल राया, नई दिल्ली - 110046

फोन : 28111758, 28113958

फैक्स : 28112353

नवीन संस्करण

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा ही भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान होता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्ध प्रयोग व्याकरण द्वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण के नियमों को रुचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की चयन-क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्वारा 'करके सीखने' की पद्धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्यार्थियों की सीखने की रुचि बढ़ती है।

अध्यापक-अध्यापिकाएँ विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण-शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबंद्ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार **'दीप ज्योति व्याकरण'** शृंखला समस्त विद्यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

अशोक लव

विषय-सूची

1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	05
2.	वर्ण-विचार	11
3.	शब्द-विचार	18
4.	शब्द-रचना-संधि	24
5.	शब्द-रचना-उपसर्ग तथा प्रत्यय	31
6.	शब्द-रचना – समास	39
7.	संज्ञा	45
8.	संज्ञा – लिंग	50
9.	संज्ञा – वचन	56
10.	संज्ञा – कारक	62
11.	सर्वनाम	67
12.	विशेषण	73
13.	क्रिया	81
14.	काल	87
15.	वाच्य	92
16.	अव्यय या अविकारी शब्द	96
17.	पद-परिचय	109
18.	वाक्य-विचार	114
19.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	120
20.	शब्द-भंडार	129
21.	शब्द एवं वाक्य अशुद्धि शोधन	138
22.	अलंकार	143
	रचनात्मक गतिविधियाँ	
23.	अपठित गद्यांश	146
24.	अनुच्छेद-लेखन	152
25.	निबंध-लेखन	155
26.	पत्र-लेखन	170
27.	डायरी-लेखन	179
	अभ्यास प्रश्न-पत्र-1	181
	अभ्यास प्रश्न-पत्र-2	183

1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(LANGUAGE, SCRIPT AND GRAMMAR)

'भाषा' शब्द की उत्पत्ति 'भाषा' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है 'वाणी'। वाणी द्वारा उच्चरित सार्थक ध्वनियाँ ही भाषा का आधार होती हैं।

भाषा की उत्पत्ति के साथ ही मानव ने सभ्यता के आँगन में कदम रखे थे। इससे पहले वह संकेतों द्वारा अपने भावों को व्यक्त करता था। भाषा के आविष्कार से उसने बोलना सीखा था। इस प्रकार भाषा के मौखिक रूप ने जन्म लिया। धीरे-धीरे ध्वनि चिह्न निर्धारित किए गए। इनसे भाषा के लिखित रूप का विकास हुआ। इस प्रकार मनुष्य एक-दूसरे तक अपने मन के भाव और विचार प्रकट करने लगा।

भाषा भावों और विचारों को प्रकट करने का माध्यम है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं- मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

1. मौखिक भाषा

मौखिक भाषा में हम विचारों को मुख से बोलकर व्यक्त करते हैं। वार्तालाप, वाद-विवाद, कविता पाठ, भाषण, नाटक, फिल्म, संगीत आदि में हम भाषा का मौखिक रूप प्रयोग करते हैं। भाषा का मौखिक रूप अस्थायी होता है। इलैक्ट्रानिक माध्यमों से अब भाषा का मौखिक रूप भी स्थायी हो गया है। इसे कैसेट्स, सी.डी आदि में सुरक्षित रखा जा सकता है।

2. लिखित भाषा

लिखित भाषा में हम अपने विचार लिखकर प्रकट करते हैं। लिखित भाषा का प्रयोग पुस्तकों, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं, सूचना-पट आदि में किया जाता है।

मौखिक तथा लिखित भाषा द्वारा हम भाषा के चार कौशल सीखते हैं। मौखिक भाषा में जहाँ बोलना तथा सुनना महत्त्वपूर्ण है, वहीं लिखित भाषा में पढ़ना तथा लिखना महत्त्वपूर्ण है।

भाषा का लिखित रूप स्थायी होता है।

लिपि

हमने जाना कि भाषा के दो रूप होते हैं- मौखिक और लिखित। प्रत्येक ध्वनि, जो हम बोलते हैं, उसे लिखने के लिए चिह्नों की आवश्यकता होती है। इन्हीं चिह्नों को वर्ण कहा जाता है। ध्वनियों के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं और यही हैं- लिपि-चिह्न यानी कि लिपि।

ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वही लिपि है।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे- हिंदी की लिपि देवनागरी है जिसमें संस्कृत, हिंदी, मराठी, कोंकणी, नेपाली,

मैथिली आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं। इसे 'नागरी' लिपि भी कहा जाता है। देवनागरी लिपि प्राचीन ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई मानी जाती है। भारत के विभिन्न प्रदेशों-क्षेत्रों में विभिन्न भाषाएँ और लिपियाँ प्रचलित हैं। निम्न तालिका देखें-

राज्य-क्षेत्र	भाषा	लिपि
असम	असमिया	असमी
आंध्र प्रदेश	तेलुगू	तेलुगू
उड़ीसा	उड़िया	उड़िया
जम्मू व कश्मीर	उर्दू	फ़ारसी
कोंकण	कोंकणी	देवनागरी

राज्य/क्षेत्र	भाषा	लिपि
केरल	मलयालम	मलयालम
बंगाल	बँगला	बंगाली
पंजाब	पंजाबी	गुरुमुखी
तमिलनाडु	तमिल	तमिल
कर्नाटक	कन्नड़	कन्नड़

हम जानते हैं कि अंग्रेज़ी विश्वभाषा है, यह रोमन लिपि में लिखी जाती है। अन्य प्रमुख विदेशी भाषाओं की लिपियाँ –

देश	भाषा	लिपि
चीन	मंदारिन	चीनी (चित्र लिपि)
जापान	जापानी	जापानी
इंग्लैंड	अंग्रेज़ी	रोमन
आस्ट्रेलिया	अंग्रेज़ी	रोमन
जर्मनी	जर्मन	रोमन
फ्रांस	फ्रांसीसी	रोमन
इटली	इतालवी	रोमन
स्पेन	स्पेनिश	रोमन
मध्यपूर्व के देश	अरबी	अरबी
ईरान	फ़ारसी	फ़ारसी
रूस	रूसी	सिरिलिक

विशेष

- देवनागरी लिपि विश्व की एकमात्र वैज्ञानिक लिपि है।
- देवनागरी लिपि बाएँ से दाएँ लिखी जाती है। अधिकांश लिपियाँ बाएँ से दाएँ लिखी जाती हैं पर फ़ारसी लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती है।
- कंप्यूटर पर यूनीकोड द्वारा देवनागरी में लिखी सामग्री का किसी भी भाषा में अनुवाद किया जा सकता है।

राष्ट्रभाषा- हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। राष्ट्रभाषा उसे कहते हैं, जिसका प्रयोग देश के अधिकांश निवासियों द्वारा किया जाता है और हिंदी भारत के कोने-कोने में बोली और समझी जाती है। भारत में हिंदी लगभग 70 प्रतिशत बोली व समझी जाती है। इसलिए भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है।

राजभाषा- राजभाषा का अर्थ है- राज-काज की भाषा अर्थात् जिस भाषा का देश के कार्यालयों में राज-काज के लिए

प्रयोग किया जाता है, उसे राजभाषा कहते हैं।

विशेष

- 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संविधान में संघ की राजभाषा का दर्जा मिला था। प्रत्येक वर्ष हम 14 सितंबर को हिंदी-दिवस के रूप में मनाते हैं।
- आज विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी का दूसरा स्थान है।
- भारत की संपर्क भाषा हिंदी है।

संविधान की आठवीं अनुसूची में बाईस (22) भाषाओं को मान्यता दी गई है- संस्कृत, हिंदी, असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, डोगरी, तमिल, तेलुगू, गुजराती, नेपाली, पंजाबी, बंगला, बोडो, मराठी, मणिपुरी, मलयालम, संथली, सिंधी, मैथिली। स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को तेज़ी से विकास हुआ है।

बोली

जब एक भाषा अनेक स्थानों पर बोली जाती है तो उसके स्थानीय रूप विकसित हो जाते हैं। भाषा के स्थानीय या क्षेत्रीय रूप को बोली कहते हैं। बोली में लोकगीत गाए जाते हैं, कहावतें तथा लोककथाएँ कही जाती हैं। बोलियों का अपना कोई लिखित साहित्य नहीं होता था, अब इसमें भी साहित्य प्रकाशित हो रहा है।

हिंदी की कई बोलियाँ हैं। उदाहरण- अवधी, ब्रज, मगही, हरियाणवी, राजस्थानी, कुमाँऊनी, गढ़वाली, बुंदेलखंडी, अंगिका आदि।

जब किसी बोली में साहित्य लिखा जाने लगता है तो वह बोली उपभाषा बन जाती है। ब्रज और अवधी हिंदी की बोलियाँ हैं। पर कालांतर में वे उपभाषाएँ बन गईं। हिंदी के प्रसिद्ध कवि सूरदास ने ब्रज भाषा में 'सूरसागर' की तथा महाकवि तुलसीदास ने अवधी भाषा में 'रामचरितमानस' की रचना की।

हिंदी की बोलियाँ	कहाँ बोली जाती हैं	हिंदी की बोलियाँ	कहाँ बोली जाती हैं
अवधी	उत्तर प्रदेश	ब्रज	उत्तर प्रदेश
हरियाणवी	हरियाणा	राजस्थानी	राजस्थान
कुमाँऊनी/गढ़वाली	उत्तराखंड	बुंदेलखंडी	उत्तर प्रदेश

भाषा और बोली में अंतर

भाषा का क्षेत्र व्यापक होता है, जबकि बोली एक सीमित क्षेत्र में ही प्रयोग में लाई जाती है।

भाषा का अपना लिखित साहित्य और व्याकरण होता है जबकि बोली केवल उच्चारण तक सीमित होती है। बोली में व्याकरण एवं सिद्धांतों को महत्त्व न देकर कहावातों, लोकगीतों एवं लोक कथाओं को अधिक महत्त्व दिया जाता है।

साहित्य

ज्ञान के संचित कोश को साहित्य कहते हैं। साहित्य दो प्रकार का होता है: गद्य साहित्य और पद्य साहित्य।

1. गद्य साहित्य- जिन विचारों को साधारण रूप में लिखते हैं, वे गद्य साहित्य के अंतर्गत आते हैं।
जैसे- कहानी, जीवनी, उपन्यास, नाटक, पत्र आदि।

2. पद्य साहित्य- जिन विचारों को काव्य-शैली में प्रस्तुत किया जाता है, वे पद्य साहित्य के अंतर्गत आते हैं।
जैसे- कविता, गीता, पद, दोहा, छंद, चौपाई आदि।

व्याकरण

भाषा के शुद्ध व्यवहार के लिए हमें भाषा के नियमों को जानने की आवश्यकता होती है। इन नियमों की जानकारी हमें व्याकरण से मिलती है। प्रयोग के स्तर पर भाषा की मूलभूत इकाई वाक्य होती है। व्याकरण हमें वाक्यों के गठन के संबंध में पदों तथा पदबंधों की जानकारी देता है। व्याकरण के नियमों की जानकारी हमें अशुद्धियों के प्रति जागरुक करती है और हम भाषा की प्रकृति को पहचान सकते हैं। इस प्रकार–

व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

व्याकरण के मुख्य तीन अंग हैं– वर्ण–विचार, शब्द–विचार तथा वाक्य–विचार।

1. वर्ण–विचार

भाषा की मूल ध्वनियों के लिखित रूप वर्ण कहलाते हैं। वर्ण–विचार में वर्णों के आकार, उच्चारण, वर्गीकरण आदि के विषय में विचार किया जाता है।

2. शब्द–विचार

वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं। शब्द–विचार के अंतर्गत शब्दों के भेद, उनकी उत्पत्ति तथा रचना आदि से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है।

3. वाक्य–विचार

शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनते हैं। वाक्य–विचार में वाक्यों के अंग, भेद, वाक्य विश्लेषण, विराम–चिह्न आदि के विषय में विचार किया जाता है।

कंप्यूटर और हिंदी

आज हिंदी का व्यवहार क्षेत्र निरंतर फैलता जा रहा है। इसे बोलने, सीखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। विश्व के अनेक विश्वविद्यालों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। अत: हिंदी शिक्षण तथा अध्यापन के क्षेत्र में कंप्यूटर का भी प्रवेश हो चुका है तथा यह दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हिंदी के अखबार तथा पत्रिकाएँ इसके द्वारा पढ़े जा सकते हैं। अनेक ऐसी 'वेबसाइट' हैं जिनसे हमें हिंदी साहित्यकारों के बारे में जानकारी मिलती है। इंटरनेट के द्वारा हिंदी में हम ई–मेल भेज सकते हैं और अपना ब्लॉग भी हिंदी में बना सकते हैं। यही नहीं इंटरनेट के द्वारा हिंदी भाषा घर बैठे भी सीखी जा सकती है।

हिंदी के विषय में कुछ विशिष्ट जानकारी

- 769 ईस्वी में पहले हिंदी साहित्य 'दोहाकोश' की रचना।
- 1100 ईस्वी में आधुनिक देवनागरी लिपि का जन्म।
- 1913 में दादा साहेब फालके द्वारा पहली हिंदी फ़िल्म 'राजा हरिश्चंद्र' का निर्माण।
- 1926 में कोलकाता से पहला हिंदी समाचार–पत्र 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन।
- 1929 में आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा 'हिंदी साहित्य का इतिहास' का लेखन।
- 1930 में हिंदी टाइपराइटर का जन्म।
- 1931 में पहली बोलती फ़िल्म 'आलमआरा' का निर्माण।
- 1949 में हिंदी भारत की राजभाषा घोषित।

याद रखो

- विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम को भाषा कहते हैं।
- भाषा के दो रूप होते हैं- मौखिक तथा लिखित।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है।
- ध्वनियों के लिए निर्धारित चिह्नों को लिपि कहते हैं।
- व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा के नियमों की जानकारी देता है।
- व्याकरण के मुख्य रूप से तीन अंग हैं- वर्ण विचार, शब्द-विचार तथा वाक्य-विचार।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर (✓) लगाओ :

(क) हिंदी भाषा की लिपि कौन-सी है?

फ़ारसी ☐ रोमन ☐ देवनागरी ☐

(ख) भारत की राष्ट्रभाषा कौन-सी है।

हिंदी ☐ पंजाबी ☐ अंग्रेज़ी ☐

(ग) हिंदी को राजभाषा का दर्जा कब मिला?

1948 में ☐ 1949 में ☐ 1979 में ☐

(घ) संविधान की आठवीं सूची में कितनी भाषाओं को मान्यता दी गई है?

18 ☐ 22 ☐ 26 ☐

(ङ) साहित्य कितने प्रकार का होता है?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

2. निम्नलिखित भाषाओ की लिपियाँ लिखो :

(क) उर्दू ..... (ख) पंजाबी .....

(ग) संस्कृत ..... (घ) कोंकणी .....

(ङ) फ्रांसीसी ..... (च) रूसी .....

(छ) मंदारिन ..... (ज) बँगला .....

3. सही कथनों के आगे (✓) और गलत के आगे (✘) लगाओ

(क) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। ☐

(ख) भारत में अधिकतर लोग अंग्रेज़ी बोलते हैं। ☐

(ग) भाषा केवल लिखने के काम आती है। ☐

(घ) 14 सितंबर को हिंदी-दिवस मनाया जाता है। ☐

(ङ) बोली और भाषा में अंतर नहीं होता। ☐

(च) संविधान में हिंदी को राजभाषा माना गया है। ☐

4. निम्नलिखित स्थितियों में भाषा के कौन-से रूप का प्रयोग होता है? सही का (✓) लगाओ

(क) अध्यापिका श्यामपट्ट पर प्रश्नों के उत्तर लिख रही है। मौखिक भाषा ☐ लिखित भाषा ☐

(ख) रमेश अपने मित्र से फ़ोन पर बात कर रहा है। मौखिक भाषा ☐ लिखित भाषा ☐

(ग) नेहा मोबाइल फ़ोन से अपने मित्र को एस.एम.एस. कर रही है। मौखिक भाषा ☐ लिखित भाषा ☐

(घ) दादा जी अखबार पढ़ रहे हैं। मौखिक भाषा ☐ लिखित भाषा ☐

(ङ) मम्मी बच्चों को कविता सुना रही हैं। मौखिक भाषा ☐ लिखित भाषा ☐

5. रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखो:

(क) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान ..... द्वारा होता है।

(ख) बातचीत भाषा का ..... रूप है।

(ग) ज्ञान के सुरक्षित भंडार को ..... कहते हैं।

(घ) गुरुमुखी लिपि द्वारा ..... भाषा लिखी जाती है।

(ङ) लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत भाषा का ..... रूप है।

6. इन प्रश्नों के उत्तर लिखो:

(क) भाषा किसे कहते हैं?

.....

.....

(ख) भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट करो।

.....

.....

(ग) लिपि से आप क्या समझते हैं?

.....

.....

(घ) हिंदी को राजभाषा का दर्जा क्यों दिया गया?

.....

.....

करो और सीखो

नीचे दिए गए साहित्यकारों के विषय में इंटरनेट की सहायता से जानकारी प्राप्त करो।

मुंशी प्रेमचंद जयशंकर प्रसाद महादेवी वर्मा तुलसीदास